राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 22 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-231 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

एसआईआर- 37 लाख अपीलों को निपटाने में लगेंगे 12 साल

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद, दोबारा नाम शामिल करने के लिए 37 लाख से अधिक अपीलें आई हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मौजूदा गति से इन अपीलों का निपटारा करने में लगभग 12 साल का समय लग जाएगा। पिछले पांच महीने में मात्र 1 लाख 26 हजार मामलों का ही निपटारा हो पाया है। आयोग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, प्रति माह औसतन लगभग 25 हजार 238 मामलों का निपटारा हो रहा है, जिसमें शनिवार और रविवार की छुट्टियों को शामिल नहीं किया गया है। 16 सितंबर तक कुल 37,05,235 मामले लंबित हैं। इस गति से, यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ट्राइब्यूनल सातों दिन बिना किसी छुट्टी के काम करता है, तो भी सभी अपीलें निपटाने में कम से कम 146 महीने, यानी लगभग 12 साल से अधिक का समय लगेगा।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि मौजूदा ढांचा और कर्मचारियों की संख्या इतनी बड़ी संख्या में मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। आयोग ने ट्राइब्यूनल की संख्या 24 से बढ़ाकर 42 करने का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, न्यायिक अधिकारियों को घर से काम करने की सुविधा देने से भी प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने इन अपीलों के शीघ्र निपटारे को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने ये जानकारी दी है। इस बीच, कांग्रेस ने इस अभियान की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल (शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की) प्रक्रिया और संविधान पर हमला करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि हटाए गए नामों में सबसे अधिक संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दो दिवसीय दौर पर, मेरठ में जोरदार स्वागत

टोल प्लाज़ा पर झंडे और बैनर और चमकीले रंगों में रंगे बुलडोज़र खड़े आए नजर

मेरठ।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन दो दिवसीय दौरे पर हैं। उनका स्वागत करने मेरठ के बाहरी इलाके में टोल प्लाज़ा पर बुलडोज़रों की एक कतार लगाई गई थी। वहां की तस्वीरों में हाईवे के किनारे पार्टी के झंडों और बैनरों से सजे, चमकीले रंगों में रंगे बुलडोज़र एक क्रम में खड़े दिखाई दिए। यूपी विधानसभा चुनावों से पहले नितिन नबीन का यह दो दिवसीय दौरा काफी अहम माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को नबिन क्रांतिधरा मेरठ पहुंचे और इंडियन नेशनल आर्मी शहीद स्मारक और पार्क में श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वह स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी के मंगल्य ऑडिटोरियम में 'युवा सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और युवाओं से अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने का आग्रह करेंगे। वह उसी कैंपस में आयोजित 'शक्ति केंद्र सम्मेलन में भी बोलेंगे। नबिन चुनाव की रणनीतियों को अंतिम रूप देने के लिए पश्चिमी क्षेत्र के पूर्व पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। मंगलवार को मेरठ की जानी-मानी हस्तियों और खास नागरिकों से बातचीत करेंगे। सहारनपुर पहुंचने पर नितिन नबीन बीजेपी के एक कार्यकर्ता के घर दोपहर का भोजन करेंगे। सहारनपुर में वे पश्चिमी क्षेत्र के पूर्व सांसदों और विधायकों से बातचीत करेंगे। इसके बाद वे चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा करने के लिए राज्य और क्षेत्रीय पदाधिकारियों, ज़िला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और महासचिवों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक करेंगे। अपनी यात्रा के समापन पर, नितिन नवीन सिद्धपीठ शाकंभरी देवी मंदिर में मां भगवती की पूजा-अर्चना करेंगे।

परिवारवाद में उलझी सपा, योगी ने यूपी को बनाया 'उत्तम प्रदेश'- नितिन नबीन

मेरठ ।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को मेरठ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर व्यंग्य बाण चलाये। उन्होंने सपा पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब उसने प्रदेश और जनता की भलाई को प्राथमिकता देने के बजाय सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब कानून का राज है और प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस के लोग सत्ता हासिल करने के लिए जनता को बांटने का काम कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है और उन्होंने प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने मुंबई में जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमोन से की मुलाकात, भारत में निवेश अवसरों और आर्थिक संभावनाओं पर की चर्चा

मुंबई।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को मुंबई में आयोजित जेपीमॉर्गन इंडिया इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस के 11वें संस्करण के दौरान जेपीमॉर्गन चेस एंड कंपनी के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमोन से मुलाकात की।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, सम्मेलन के इतर जेमी डिमोन ने वित्त मंत्री के साथ बातचीत की। इस सम्मेलन में निवेशकों, नीति निर्माताओं और कॉर्पोरेट जगत के नेताओं ने भारत की आर्थिक संभावनाओं और निवेश अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

वित्त मंत्री ने सम्मेलन को संबोधित भी किया और जेपीमॉर्गन के एशिया इकोनॉमिक्स प्रमुख सज्जिद चिनॉय के साथ एक विशेष संवाद सत्र (फायरसाइड चैट) में भाग लिया।

निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि जेमी डिमोन ने मुंबई में आयोजित जेपीमॉर्गन इंडिया इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे मुलाकात की।

उन्होंने यह भी बताया कि सम्मेलन में उन्होंने उपस्थित निवेशकों और प्रतिनिधियों को संबोधित किया तथा सज्जिद चिनॉय के साथ भारत की अर्थव्यवस्था और निवेश परिदृश्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी के चेयरमैन और सीईओ जेमी डिमोन ने मुंबई, महाराष्ट्र में जेपी मॉर्गन इंडिया इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस के दौरान वित्त मंत्री सीतारमण से बातचीत की।÷

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब हाल ही में जारी जेपीमॉर्गन की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कर सुधारों और नियामकीय उपायों के संयोजन ने भारतीय इक्विटी बाजार को घरेलू निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स, डेट म्यूचुअल फंड्स और कुछ बीमा उत्पादों से जुड़े कर ढांचे में हुए बदलावों ने शेयर बाजार में निवेश की सापेक्षिक आकर्षण क्षमता बढ़ाई है।

जेपीमॉर्गन का मानना है कि इन सुधारों के साथ-साथ सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए बढ़ती भागीदारी ने घरेलू बचत को वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर मोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल

के वर्षों में घरेलू निवेशक भारतीय बाजारों के लिए एक स्थिरता प्रदान करने वाली ताकत बनकर उभरे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितताओं से पैदा होने वाली अस्थिरता के बावजूद उन्होंने बाजार को सहारा दिया है।

जेपीमॉर्गन के अनुसार, बेंचमार्क सूचकांकों से अपेक्षाकृत सीमित रिटर्न मिलने के बावजूद खुदरा निवेशकों की भागीदारी मजबूत बनी हुई है, जो भारत में निवेश व्यवहार में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत देती है।

दिल्ली वोटर लिस्ट में बड़ा अपडेट-आडवाणी, जयशंकर सहित दिग्गजों को मिले नोटिस

नई दिल्ली।

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चौंकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सत्यापन चरण के तहत चल रही है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 33.13 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके प्रगणन फॉर्म में दर्ज जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए हैं। इन गड़बड़ियों में से कई मामले हैं जहाँ वर्तमान जानकारी 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान दर्ज डेटा से मेल नहीं खाती। यह दर्शाता है कि लंबे समय से मतदाता रिकॉर्ड में अपडेट की आवश्यकता थी।

पूर्व उप-प्रधानमंत्री आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को 2002 की एसआईआर सूची से नाम मेल न खाने के कारण नोटिस मिले हैं। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर को भी पिछली एसआईआर सूची से मेल न खाने की श्रेणी में नोटिस भेजा गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को उनके रिकॉर्ड में दर्ज सरकारी आवास के पते से संबंधित

गड़बड़ी के लिए नोटिस दिए हैं। चुनाव आयुक्त संधू को उनके नाम में अंतर के कारण नोटिस मिला था, हालांकि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने स्पष्ट किया है कि संधू की प्रविष्टि पहले ही सत्यापित हो चुकी है और उनका नाम अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा।

इस सूची में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदीश कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद जैसे कई अन्य जाने-माने लोग भी शामिल हैं, जिन्हें मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

सात न्यायिक अधिकारियों ने ली दिल्ली हाईकोर्ट जज की शपथ, अब संख्या हुई 50

नई दिल्ली।

सोमवार को सात न्यायिक अधिकारियों ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज के तौर पर शपथ ले ली, जिससे कोर्ट में जजों की कुल संख्या 50 हो गई है। चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने जस्टिस निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय सक्सेना, संजय शर्मा, भरत पाराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को शपथ दिलाई गई। ये सभी पहले यहां जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारी के तौर पर काम कर रहे थे। शपथ ग्रहण समारोह हाईकोर्ट परिसर में आयोजित किया गया और शपथ दिलाने के बाद चीफ जस्टिस ने नए जजों को बधाई दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस शर्मा और सक्सेना ने अंग्रेजी में शपथ ली, जबकि बाकी पांच ने हिंदी में शपथ ली। उन्हें हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इन सात नई नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की थी। हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 60 है और इन सात नई नियुक्तियों के साथ मौजूदा संख्या बढ़कर 50 हो गई है।

केरल में भारी बारिश से तबाही, 5 की मौत; 2 लोग लापता

मलप्पुरम।

केरल में मूसलाधार बारिश के बीच भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं। लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। अधिकारियों को स्थिति की लगातार समीक्षा करने और संवेदनशील इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। मलप्पुरम जिले के निलंबूर-अमरंबलम इलाके में रविवार शाम कोट्टापुझा नदी में अचानक आई बाढ़ में पांच लोग बह गए। बताया गया कि वंडूर का एक समूह नदी में नहाने पहुंचा था। अचानक जलस्तर बढ़ने से सभी पानी के तेज बहाव में बह गए। एक व्यक्ति को स्थानीय निवासी ने बचा लिया, जबकि दो लोगों के शव बरामद किए गए। दो अन्य अब भी लापता हैं। उनकी तलाश के लिए विशेष आपदा प्रबंधन टीम तैनात की गई है। कोट्टायम और इडुक्की में भूस्खलन कोट्टायम जिले के टीकोय के पास वेलाथुसेरी में भूस्खलन की चपेट में आने से तमिलनाडु की 35 वर्षीय महिला संगीता अरुल लाल की मौत हो गई। वह अपनी सहेली के साथ वागामोन से लौट रही थीं। सड़क पर पहाड़ी से खिसकी मिट्टी उनके ऊपर गिर गई। हादसे में उनकी सहेली घायल हुई हैं। इडुक्की के कोट्टाकम्बूर में बारिश से बचने के लिए शेड में रुके तीन लोग

भूस्खलन की चपेट में आ गए। पहाड़ी से मिट्टी का बड़ा हिस्सा शेड पर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हुई। अगले चार दिन भारी बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने केरल के कुछ हिस्सों में अगले चार दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। 20 और 21 सितंबर को कुछ इलाकों में आंधी-तूफान की भी संभावना है। कोट्टायम और इडुक्की में रविवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। राज्य में 1 जून से 17 सितंबर के बीच सामान्य से 28 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी।

हिमाचल में इलाज के नाम पर खुली लूट-सिरिंज से दवाओं तक, मनमाने दाम

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों से हो रही खुली लूट के चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। शिमला जिले के निजी अस्पतालों और दवा दुकानों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कीमतें मनमाने ढंग से वसूली जा रही हैं, इससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। मात्र 5 से 10 रुपये की लागत वाली सिरिंज के लिए मरीजों से 25 से 30 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं, वहीं ग्लब्स और कैथेटर के दाम भी बेतहाशा बढ़ाए जा रहे हैं। यह स्थिति शिमला शहर, ठियोग, रामपुर, सुन्नी, रोहडू और कुमारसैन सहित कई उपमंडलों में बदतर है। सिर्फ छोटी चीजें ही नहीं, बल्कि बड़े और गंभीर इलाज में इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण उपकरण भी महंगी दरों पर बेचे जा रहे हैं। हृदय रोगियों को एंजियोप्लास्टी के लिए 50 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक के स्टेंट, सीटी स्कैन के लिए कंट्रास्ट, और हड्डियों के ऑपरेशन के लिए प्लेट व अन्य इंप्लांट भी मरीजों को बाजार से महंगे दामों पर खरीदने पड़ रहे हैं। कैंसर के मरीजों को कीमोथैरेपी की कुछ जरूरी दवाएं भी बाहर से लेनी पड़ रही हैं। सरकारी अस्पतालों में सरकार की बीमा योजनाओं के तहत बड़े इलाज की सुविधा सीमित होने से मरीजों की परेशानी और बढ़ गई है।

एकतानगर में सजेगा सिनेमा का सबसे बड़ा मंच, राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की मेजबानी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सान्निध्य में आज से फिल्मी सितारों का जमावड़ा, करीब एक हजार मेहमानों के लिए भव्य पंडाल तैयार; देशभर से कलाकारों का पहुंचना जारी

नर्मदा।

गुजरात का एकतानगर इन दिनों देश के सबसे प्रतिष्ठित फिल्मी आयोजनों में से एक का साक्षी बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के भव्य परिसर में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भारतीय सिनेमा के वर्ष 2024 के उत्कृष्ट योगदान के लिए चयनित विजेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करेंगी।

राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के लिए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में विशाल पंडाल तैयार किया गया है। यहां करीब 1,000 विशिष्ट अतिथियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल, अतिथियों के आवागमन, मंच व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों से फिल्म निर्माता, अभिनेता, तकनीशियन और फिल्म जगत से जुड़े अन्य कलाकार एकतानगर पहुंचने लगे हैं। अभिनेता संजय मिश्रा भी एकतानगर पहुंच चुके हैं। उनकी मौजूदगी के साथ ही क्षेत्र में फिल्मी गतिविधियां और चर्चा और तेज हो गई हैं। आधिकारिक सूची के अनुसार संजय मिश्रा को फिल्म 'भक्षक' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार दिया जाएगा। इस संस्करण में ममूटी और कार्तिक आर्यन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का साझा पुरस्कार तथा यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया जाएगा। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वर्ष 2024 में प्रमाणित भारतीय फिल्मों की उपलब्धियों को सम्मानित कर रहे हैं। इस संस्करण में 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया है। वहीं तमिल फिल्म 'अमरन' के लिए राजकुमार पेरियासामी को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा 'कल्कि 2898 एडी' को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार दिया जाएगा। 'भंगार' को सर्वश्रेष्ठ नॉन-फीचर फिल्म और 'राम-नामी' को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री चुना गया है। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की खासियत केवल पुरस्कारों की चमक-दमक नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता भी है। इस बार विभिन्न भाषाओं, शैलियों और फिल्म विधाओं में उल्लेखनीय काम को सम्मानित किया जा रहा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मराठी, संथाली, तमिल, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, तुलु और

गढ़वाली सहित कई भाषाओं की फिल्मों को अलग-अलग श्रेणियों में सम्मान मिला है। इस वर्ष संथाली फिल्म को पहली बार नॉन-फीचर फिल्म वर्ग में सम्मान मिलना भी इस संस्करण की उल्लेखनीय विशेषताओं में शामिल है। इससे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के मंच पर देश की क्षेत्रीय और भाषाई सिनेमाई अभिव्यक्तियों की व्यापक उपस्थिति दिखाई देती है। इस राष्ट्रीय समारोह से पहले 16 सितंबर 2026 को सरकार ने अभिनेता अनंत नाग को वर्ष 2024 का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की है। पांच दशक से अधिक लंबे उनके सिनेमाई सफर और भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है। इस बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन दिल्ली से बाहर एकतानगर में किया जाना भी महत्वपूर्ण है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है।

यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरुआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह—सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी।

भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है। डेंगू से जूझ रहे भारत के लिए यह उम्मीद की एक नई किरण जरूर है, लेकिन इस किरण को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा में बदलने के लिए विज्ञान, नीति और जनभागीदारी—तीनों का साथ जरूरी होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

असुविधाओं की रेल

वैसे तो दावे किए जाते रहे हैं कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत निराश करने वाली है। विडंबना यह है कि तमाम मुश्किलों में सफर करने वाला यात्री शिकायत दर्ज कराने के बजाय अपने गंतव्य स्थान पर पहले पहुंचना चाहता है। जिसके चलते सभी खामियों के साथ भारतीय रेल ढर्रे पर ही चल रही है। पिछले महीने संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों में पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था। यहां तक कि पेयजल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु पाये जाने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि 89 फीसदी स्टेशनों में बैठने की पर्याप्त जगह, पंखे, मार्गदर्शन करने वाले चिन्हों तथा शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। कैग की रिपोर्ट की पुष्टि करती हुई लोक लेखा समिति ने भी अपनी पड़ताल में कई स्टेशनों में पेयजल, पंखे, बैठने के सुविधाजनक स्थान आदि पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने की बात कही है। समिति ने रेलवे अधिकारियों से जवाब मांगा है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने-संवारने का काम जरूर हुआ है, लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्या देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई कर सके? आधे-अधूरे निर्माण कार्य की गफलत में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। यूं तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर हम कहां टिकते हैं? पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोतलबंद पानी बेचने के लिये पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। किसी ट्रेन के जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। ट्रेन के भीतर शौचालयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था खासी लचर है। ऐसा लगता है कि किसी की जवाबदेही ही तय नहीं हुई। वहीं बड़ी संख्या में यात्री भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते। यहां-वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है। हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास नहीं हो पाया है, जो आजादी के आठवें दशक में हो जानी चाहिए थी। आखिर हम कब एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों के भीतर साफ-सफाई रखना अपना कर्तव्य मानेंगे। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करा सके। दरअसल, रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती करने को लेकर दशकों तक जो राजनीति चलती रही है, उसने भी किसी हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। बहरहाल, अब यह तसवीर बदलनी चाहिए।

धर्म, स्त्री समानता और अक्षरधाम की परम्पराएं

(लेखक- विवेक रंजन श्रीवास्तव)

किसी धार्मिक संस्था की पहचान केवल उसके भव्य मंदिरों और सामाजिक सेवाओं से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह स्त्री को किस दृष्टि से देखती है। एक स्वतंत्र चेतना, समान अधिकारों वाली मनुष्य या निर्धारित धार्मिक भूमिकाओं तक सीमित व्यक्तित्व के रूप में।

बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) अर्थात बाप्स के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक उपस्थिति भारत से बढ़ते हुए अमेरिका, लंदन, संयुक्त अरब अमीरात और दुनिया के अनेक देशों तक विस्तृत हो चुकी है।

बाप्स की परंपरा भगवान स्वामीनारायण के सामाजिक सुधारों, महिला-केंद्रित गतिविधियों और स्त्री-पुरुष के लिए पृथक धार्मिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रही है। संस्था महिलाओं के सम्मान, सेवा और सशक्तीकरण को महत्व देने का दावा करती है। उसके विभिन्न केंद्रों में महिलाओं के लिए धार्मिक सभाएँ, सांस्कृतिक आयोजन और सामाजिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

किंतु स्त्री विमर्श का प्रश्न केवल महिला सहभागिता तक सीमित नहीं है। वह यह भी पूछता है कि क्या महिलाओं को निर्णय लेने, नेतृत्व करने और अपनी स्वतंत्र पसंद के अनुसार जीवन जीने के समान अवसर प्राप्त हैं।

महिला की सुरक्षा और महिला की स्वायत्तता , दोनों महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दोनों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। स्वैच्छिक धार्मिक अनुशासन व्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा हो सकता है , परंतु किसी महिला की पेशेवर भूमिका या सार्वजनिक उपस्थिति को केवल उसके लिंग के आधार पर सीमित करना समानता और स्त्री गरिमा का प्रश्न खड़ा करता है।

बाप्स का वैश्विक विस्तार इस विमर्श को और महत्वपूर्ण बनाता है। अमेरिका में उसके अनेक मंदिर और सामुदायिक केंद्र हैं। लंदन का निस्डेन मंदिर ब्रिटेन में उसकी प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान है।

अबू धाबी का बाप्स हिन्दू मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय धार्मिक विरासत की उपस्थिति का उदाहरण है।

भारत में उसके मंदिर और सामाजिक गतिविधियाँ लंबे समय से सक्रिय हैं। इन देशों के अलग-अलग कानूनी और सामाजिक संदर्भों में संस्था के लिए चुनौती यह है कि वह अपनी धार्मिक परंपराओं को बनाए रखते हुए स्थानीय नागरिक अधिकारों और स्त्री समानता के सिद्धांतों के साथ किस प्रकार संवाद स्थापित करती है।

सितंबर 2026 में पेरिस के एफिल टावर पर बाप्स से जुड़े प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने को लेकर विवाद सामने आया। कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार, कुछ महिलाओं को प्रतिनिधिमंडल के सामने आने से दूर रखने के लिए ड्यूटी चार्ट बदला गया, जिसके बाद कर्मचारियों ने इसका विरोध स्त्री समानता के मुद्दे को लेकर किया और इससे एफिल टावर का संचालन प्रभावित हुआ।

बाप्स ने महिलाओं को ड्यूटी से हटाने संबंधी निवेदन करने से इनकार किया तथा जन सामान्य को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया।

पेरिस प्रशासन ने प्रकरण की जांच की बात कही। इस घटना ने धार्मिक अपेक्षाओं, सार्वजनिक संस्थान की जिम्मेदारी और कार्यस्थल पर लैंगिक समानता के प्रश्नों को सामने रखा। आरोपों की अंतिम पुष्टि और जिम्मेदारी का निर्धारण जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा।

इस प्रसंग को किसी धर्म के विरुद्ध आरोप-पत्र के रूप में देखना उचित नहीं होगा। मूल प्रश्न यह है कि धार्मिक स्वतंत्रता और दूसरे व्यक्ति की समान गरिमा के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

यह प्रश्न केवल बाप्स का नहीं, बल्कि विश्व की प्रत्येक धार्मिक संस्था का है जो बहुलतावादी समकालीन समाज में कार्य करती हैं।

बाप्स के भविष्य के संदर्भ में महिलाओं की भूमिका पर गंभीर संवाद उपयोगी हो सकता है। महिला-केंद्रित गतिविधियाँ और सेवा कार्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन स्त्री सशक्तीकरण का व्यापक अर्थ निर्णय-क्षमता, नेतृत्व, शिक्षा, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और स्वैच्छिक सहभागिता से भी जुड़ा है। संस्था की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन उसके आधिकारिक नियमों, व्यवहार और महिलाओं के अनुभवों के आधार पर किया जाना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज, विभिन्न चर्च में नंस, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश और नमाज पढ़ने के अधिकार आदि आदि संस्थानों में स्त्रियों की उपस्थिति और स्त्री समानता विमर्श पर बाप्स के बहाने चर्चा सुर्खियों में आ गई है।

अंततः स्त्री विमर्श किसी परंपरा को नकारने का आग्रह नहीं, बल्कि उसकी मानवीय कसौटियों पर समीक्षा का अवसर है। धार्मिक आस्था, मर्यादा और अनुशासन का सम्मान तभी अधिक सार्थक बनता है, जब स्त्री की स्वतंत्र चेतना और गरिमा भी उसके केंद्र में हों।

मंदिरों की ऊँचाई धार्मिक विस्तार का प्रतीक हो सकती है, किसी संस्था की मानवीय ऊँचाई इस बात से भी मापी जाती है कि उसकी स्त्रियों को कितनी स्वतंत्रता, समानता और सम्मान प्राप्त है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर

(लेखक- सनत जैन)

दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 47 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो गए हैं। मैपिंग और मिसमैच पर 33 लाख से ज्यादा मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यह है, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, सेना के पूर्व उपेंद्र द्विवेदी, चुनाव आयुक्त एसएस संधू, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पत्नी, पूर्व जस्टिस रंजना देसाई, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद, उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा, सीएजी संजय मूर्ति, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित हजारों व्हीव्हीआईपी के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। इन सभी को चुनाव आयोग द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं। इसके बाद एसआईआर प्रक्रिया और कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर का कमाल दिल्ली सहित सारे देश ने देख लिया है। 10 जुलाई 2025 से सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। तारीख पर तारीख पड़ रही हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग ने एसआईआर के माध्यम से विभिन्न राज्यों के 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं को मतदाता सूची से हटा दिया है। बिहार, पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में एसआईआर के लाखों मतदाताओं के नाम काटे गए, उसके बाद मतदान हुआ। बिहार में भारतीय जनता पार्टी की पहली बार सरकार बन गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल के चुनाव हुए, वहां पर भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन गई। पिछले डेढ़ 2 वर्षों से चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और एसआईआर को लेकर लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला 1 वर्ष से अधिक से चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर की प्रक्रिया, एसआईआर के लिए बनाए गए नियम जो हर राज्य के लिए अलग-अलग लागू किए जा रहे हैं। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में समय-समय पर आपत्ति दर्ज करवाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को वैधानिक बता दिया। चुनाव के कुछ महीने पहले जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, उन राज्यों में एसआईआर करने की प्रक्रिया को ठीक बता दिया। चुनाव आयोग ने जिन लोगों के नाम काटे, उनके नाम उजागर नहीं किये, नोटिस कंप्यूटर के जरिए भेजे जा रहे हैं। कंप्यूटर मतदाता सूची की जांच कर रहे हैं। उसका सॉफ्टवेयर चुनाव आयोग ने बनवाया है। कैसे सॉफ्टवेयर काम कर रहा है, यह भी चुनाव आयोग राजनैतिक दलों को नहीं बताता है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को मिली संवैधानिक शक्तियों के कारण उसे सर्वशक्तिमान मान लिया है। चुनाव आयोग लगातार मनमर्जी करता चला जा रहा है। इसकी आंच अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंचने लगी है। कहा जा रहा है, जब गृह मंत्रालय में जस्टिस सूर्यकांत की पदोन्नति को लेकर जो फाइल आईबी की ओर से गई थी, उस समय गृह मंत्रालय ने आईबी की जांच को प्रधानता नहीं दी। पंजाब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सूर्यकांत की पदोन्नति को लेकर एक अहम भूमिका ज्ञानेश कुमार की थी। इस तरह के आरोप अब खुलकर लगने लगे हैं। चुनाव आयोग से संबंधित जितने भी मामले सुप्रीम कोर्ट में गए हैं, उन सब की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में ही हो रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो याचिका लगी थी, वह अभी तक लंबित है। उस पर कोई फैसला नहीं आया है। इतने लंबे समय से एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। बिहार एवं पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में भारतीय जनता पार्टी का कब्जा हो गया है। अब रही सही कसर कंप्यूटर से जो मतदाता सूची तैयार की जा रही हैं, उसमें बड़े-बड़े महारथियों के नाम आसानी से काटे जा रहे हैं, या उन्हें नोटिस जारी हो रहे हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश का परिवार, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल भी एसआईआर के शिकार हो गए हैं। जिसके कारण एसआईआर अब तूल पकड़ गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग को इससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। करोड़ों मतदाताओं से उनके नागरिक अधिकार छीन लिए गए हैं। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें राज्य शासन से मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। जगह-जगह उन पर अड़ंगे लगाए जा रहे हैं। बंगाल के एक संपादक महोदय के पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं हुआ, जिसके कारण वह अपनी बेटी की शादी में नहीं जा पाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

हाजिर बाजार में सुस्त रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में एल्युमीनियम की कीमत 55 पैसे की मामूली गिरावट के साथ 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अक्टूबर डिलीवरी वाले एल्युमीनियम अनुबंध का भाव 55 पैसे टूटकर 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 111 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से मांग कमजोर पड़ने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों में की गई कटौती से एल्युमीनियम वायदा कीमतों पर दबाव देखा गया।

एचडीएफसी बैंक में नए सीइओ की प्रक्रिया तेज

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर अगले एमडी और सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया के चलते निवेशकों के फोकस में हैं। बैंक ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दो नाम भेजे हैं, जबकि मौजूदा सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल अक्टूबर 2026 में समाप्त होगा। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने से ब्रोकरेज हाउसेस ने बैंक के शेयरों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। जेफरीज, नोमुरा, बर्नस्टीन और मैक्वेरी जैसे ब्रोकरेज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर पर बाय या आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ 880 से 1,150 रुपए तक के टारगेट दिए हैं; 1,150 रुपए का उच्चतम लक्ष्य है। ब्रोकरेज का मानना है कि समय पर सीईओ की नियुक्ति से नेतृत्व अनिश्चितता कम होगी। डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा प्रमुख आंतरिक उम्मीदवार बताए जा रहे हैं। नोमुरा के अनुसार आंतरिक सीईओ निरंतरता लाएगा, जबकि बाहरी सीईओ रणनीति बदल सकता है। बाजार नए सीईओ की रणनीति पर भी नजर रखेगा। बैंक बोर्ड ने जिमी टाटा को होल-टाइम डायरेक्टर बनाने और एक अतिरिक्त पद का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे दीर्घकालिक उत्तराधिकार योजना मजबूत होगी।

प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश में खोला देश का सबसे बड़ा सौर सेल संयंत्र

एक एकड़ में 3,293 करोड़ के निवेश से बनी इकाई

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में देश का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र शुरू कर अपनी कुल क्षमता को बढ़ाकर 10.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) कर लिया है। प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में 7 जीडब्ल्यू क्षमता वाली नई सौर सेल विनिर्माण इकाई शुरू की है। 101 एकड़ में फैली यह इकाई 3,293 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से विकसित की गई है और अब यह भारत का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र है। यह संयंत्र अत्याधुनिक टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टैक्ट तकनीक का उपयोग करता है, जिससे सौर मॉड्यूल की कार्यक्षमता और बिजली उत्पादन क्षमता काफी बढ़ जाती है। इस इकाई में प्रति घंटे लगभग 88,000 सौर सेल का उत्पादन किया जा सकता है। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चिरंजीव सलूजा ने कहा कि यह क्षमता विस्तार कंपनी को बढ़ती मांग को अधिक भरोसेमंद और परिचालन दक्षता के साथ पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

रेलवे वैगन किराये में बदलाव- 1,877 रुपए प्रति वैगन हुआ दैनिक किराया

नई दरें 1 सितंबर से लागू, 2027 तक प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे बोर्ड ने वैगनों के किराए के शुल्क में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। ये बदली हुई दरें 1 सितंबर से लागू हो गई हैं और 31 अगस्त, 2027 तक प्रभावी रहेंगी। यह कदम रेलवे परिचालन और गैर-रेलवे उपयोग दोनों के वित्तीय समायोजन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार गैर-रेलवे यूज़र्स के लिए एक आठ-पहिए वाले ब्रॉड-गेज (बीजी) वैगन का दैनिक किराया 1,877 रुपये निर्धारित किया गया है। इस शुल्क में 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत, 376 रुपये मूल्यह्रास, 428 रुपये रनिंग मरम्मत और 433 रुपये वैगन सुविधा शुल्क शामिल है। वहीं रेलवे के बीच वित्तीय समायोजन के लिए किराया शुल्क 1,016 रुपये प्रति आठ-पहिए वाले बीजी वैगन प्रतिदिन तय किया गया है। इसमें 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत शुल्क और 376 रुपये मूल्यह्रास शुल्क शामिल हैं। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ये दरें अन्य प्रकार के वैगनों पर भी लागू होंगी, जिन्हें आठ-पहिए वाले वैगनों के बराबर माना जाएगा। ये बदले हुए शुल्क सभी पोर्ट ट्रस्ट रेलवे पर भी प्रभावी होंगे। रेलवे बोर्ड ने बताया कि यह परिवर्तन सक्षम अधिकारी द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद किया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 564, निफ्टी 67 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से भी बाजार को सहारा मिला। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.93 अंक उछलकर 23,414.30 के स्तर पर बंद हुआ।आज के कारोबार में फार्मा और रियलिटी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स बढ़त के साथ ही 27,021.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियलिटी इंडेक्स में भी बढ़त के साथ ही 853.85 पर बंद हुआ। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी एफएमसीजी भी उछलकर बंद हुआ। निजी बैंकिंग बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर मेटल शेयरों में आज सबसे ज्यादा बिकवाली हावी रही, जिससे निफ्टी मेटल इंडेक्स नीचे आकर 12,972.70 के स्तर पर आ गया। इसके

अलावा आईटी और सरकारी बैंकों के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक हल्की गिरावट के साथ 8,312.40 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो इंडेक्स भी हल्की बढ़त के साथ 27,151.10 पर और निफ्टी मीडिया उछलकर 1,555.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों से भी बाजार में सहारा मिला। ब्रॉडर मार्केट का मूड पूरी तरह से पॉजिटिव बना रहा। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी भी 23,380 के आंकड़े को पार कर गया।

एनएसई के शेयरधारकों ने कायम रखी अहम हिस्सेदारी

22,569 करोड़ के निर्गम में संस्थागत निवेशकों का भरोसा बरकरार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के 22,569 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत बिक्री पेशकश (ओएफएस) में शेयर बेचने के बावजूद, इसके ज्यादातर मौजूदा शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा बनाए रखा है। यह आईपीओ बोली के दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान प्राप्त कर चुका है और 2024 में हुंडै मोटर इंडिया के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बना है, जिसने 2022 के एलआईसी आईपीओ को भी पीछे छोड़ा है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि ओएफएस में मुख्य रूप से संस्थागत निवेशक शामिल थे। आईपीओ से पहले एनएसई की 36.82 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले इन निवेशकों ने अपनी कुल हिस्सेदारी का केवल 5.11 फीसदी बेचा। इनमें नौ विदेशी और 11 घरेलू संस्थागत निवेशक (जिनमें 10 सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं शामिल हैं) थे।

अरांडा इन्वेस्टमेंट्स, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स जैसे बड़े शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी में औसतन करीब सात प्रतिशत की मामूली कमी की। यह दर्शाता है कि ओएफएस ने निवेशकों को आंशिक मुनाफावसूली का अवसर दिया, जबकि उन्होंने एनएसई में बड़ी रणनीतिक हिस्सेदारी बनाए रखी, जो उनके मजबूत विश्वास का संकेत है।

चेन्नई में हरे पैकेट की कमी से आविन दूध की बिक्री में भारी गिरावट

आपूर्ति में कमी के कारण पिछले छह माह में बिक्री में 10-15 फीसदी गिरावट

चेन्नई ।

चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई प्रमुख शहरों में सरकारी डेयरी सहकारी आविन के दूध की किल्लत गहरा गई है। पिछले छह महीनों में विशेषकर इसके सबसे लोकप्रिय हरे पैकेट की उपलब्धता कम होने से बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस आपूर्ति संकट के चलते उपभोक्ताओं को न केवल अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है, बल्कि उन्हें अधिक कीमतों पर निजी डेयरी ब्रांडों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उनका मासिक बजट बिगड़ रहा है। कभी चेन्नई में प्रतिदिन लगभग 16.5 लाख लीटर दूध बेचने वाली आविन की बिक्री अब काफी घट गई है। एजेंटों का आरोप है कि यह समस्या सहकारी समिति द्वारा दूध की अपर्याप्त खरीद के कारण है, जिसे मांग के अनुरूप नहीं बढ़ाया गया है। अगस्त से यह कमी और भी गंभीर हो गई है, जिससे आविन आउटलेट्स और दुकानों पर हरे पैकेट वाले दूध की भारी कमी है। यह संकट अब सिर्फ चेन्नई तक सीमित नहीं है, बल्कि कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सलेम और इरोड जैसे अन्य जिलों में भी फैल गया है। कई आउटलेट्स पर दूध की आपूर्ति कम कर दी गई है, जिससे ग्राहकों को सुबह जल्दी ही दूध खरीदना पड़ रहा है या महंगे निजी ब्रांडों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कुछ छोटी दुकानों पर आधे लीटर वाले हरे पैकेट (सरकारी कीमत 22 रुपये) को 24 रुपये में बेचा जा रहा है, जिससे परिवारों का मासिक खर्च बढ़ रहा है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार

सैमसंग और एसके हाइनिक्स का दबदबा बरकरार रहेगा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है।

यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है। कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज़्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है।

हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं, जिससे सेमीकंडक्टर उद्योग को पहले की तुलना में अधिक स्थिरता मिलेगी।

उद्योग के सूत्रों के अनुसार एआई में निरंतर निवेश और एआई सेवाओं के विस्तार को देखते हुए निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।

एचएएल शेयरों में तेजी, ब्रोकरेज फर्मों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रोकरेज फर्म सिटी और गोल्डमैन सैक्स द्वारा डिफेंस पीएसयू के लिए बाय रेटिंग बरकरार रखने और उच्च टार्गेट प्राइस देने के बाद यह उछाल आया। फर्मों ने फाइटर एयरक्राफ्ट, ट्रेनर और हेलीकॉप्टर के काम में सुधार, सप्लाई संबंधी दिक्कतें कम होने और डिलीवरी में तेजी को इसकी मुख्य वजह बताया है। सुबह करीब साढ़े 9 बजे बीएसई पर एचएएल का शेयर 1.28 फीसदी की तेजी के साथ

4,862.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सिटी ने एचएएल के लिए 6,175 रुपए का टार्गेट प्राइस तय किया है, जो शुक्रवार के बंद भाव से लगभग 29 प्रतिशत अधिक है। वहीं, गोल्डमैन सैक्स ने 5,870 रुपए के टार्गेट के साथ बाय कॉल बरकरार रखी है, जो 22 प्रतिशत की बढ़त का संकेत देता है। इस साल अब तक एचएएल का शेयर 9.2 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है, निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन करते हुए। ब्रोकरेज फर्मों के अनुसार, एचएएल विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपनी उत्पादन क्षमता और डिलीवरी में लगातार सुधार कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में भारतीय वायु सेना को दो एलसीए तेजस एफओसी ट्विन-सीट ट्रेनर और तीन एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर सौंपे हैं, साथ ही पवन हंस को चार ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन हेलीकॉप्टर भी दिए हैं। एचएएल मैनेजमेंट का लक्ष्य मार्च 2027 तक 10 एलसीए एमके-1ए एयरक्राफ्ट की डिलीवरी करना है। जीई द्वारा अतिरिक्त एफ404 इंजन की डिलीवरी से उत्पादन तेज होगा, जो सरकार के स्वदेशी रक्षा निर्माण प्रयासों के अनुरूप है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.79 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे की मजबूती के साथ 95.72 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त और विदेशी कोषों की लिवाली ने निवेशकों की धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.86 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 95.72 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की तेजी दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 95.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.31 पर कारोबार कर रहा था।

एकेटीयू का इनोवेशन हब लॉन्च, यूपी के स्टार्टअप्स को मिलेगा नया मुकाम

निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों को जोड़ेगा मंच, यूपी के स्टार्टअप परिवेश को मिलेगी गति

लखनऊ ।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ ने उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिवेश को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल मंच इनोवेशन हब का अनावरण किया है। यह मंच राज्य भर के निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उभरते उद्यमियों को एक साझा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ना है। नोएडा की सांची कनेक्ट द्वारा विकसित यह मंच, स्टार्टअप्स को निवेश और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में मदद करेगा।

एकेटीयू इनोवेशन हब के एक अे धिकारी ने कहा कि यह मंच राज्य की प्रतिभा को सही कनेक्शन देगा। उत्तर प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, और इनोवेशन हब इस क्षमता का पूरा उपयोग करने में मदद करेगा।

अब तक 35 इनक्यूबेटर इससे जुड़ चुके हैं और एकेटीयू विश्वविद्यालय की मदद से इस संख्या को 70 तक पहुंचाने में मदद करेगा।

सोने के दाम 881 रुपए गिरे, चांदी में 1,599 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में सुस्ती देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) और वैश्विक बाजार (कॉमेक्स) दोनों में ही कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ खुले और पूरे दिन कारोबार के दौरान दबाव में रहे। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर खबर लिखे जाने तक अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 747 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,634 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसका बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 1,54,381 रुपये के पिछले बंद भाव के मुकाबले 881 रुपये की कमी के साथ 1,53,500 रुपये पर खुला था। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी भी 1,474 रुपये टूटकर 2,40,129 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। चांदी का वायदा भाव 2,41,603 रुपये के पिछले बंद भाव से 1,599 रुपये की गिरावट के साथ 2,40,004 रुपये पर खुला था।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने-चांदी में नरमी का रुख बना रहा। सोना 28.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,396.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 4,424.90 डॉलर था। चांदी भी 0.48 डॉलर गिरकर 66.66 डॉलर प्रति औंस पर थी, जिसका पिछला बंद भाव 67.14 डॉलर था।

टाटा संस में फिर कानूनी जंग, ट्रस्ट् ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति को चुनौती दी

मुंबई ।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला सबसे बड़ा शेयरधारक, टाटा ट्रस्ट्स, कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव को कानूनी रूप से चुनौती देने की तैयारी में है। ट्रस्ट्स ने इस प्रस्ताव को अवैध करार देते हुए अदालत का रुख करने पर विचार कर रहा है।

चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त हो रहा है और उन्हें अगले पांच साल के लिए फिर से चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स विभिन्न कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सोशल मीडिया पर इस विवाद में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे कानूनी प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

ट्रस्ट् ने एक बयान में कहा कि चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव अवैध है, क्योंकि टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत बोर्ड का कोई भी फैसला ट्रस्ट्स द्वारा नामित निदेशकों के बहुमत के समर्थन के बिना नहीं लिया जा सकता। ट्रस्ट् ने स्पष्ट किया कि एओए सुविधा के लिए नहीं हैं कि इनका उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाए और अनावश्यक होने पर अनदेखा कर दिया जाए। इसके समर्थन में ट्रस्ट्स ने रतन टाटा-साइरस मिस्त्री मामले का हवाला दिया, जिसमें ट्रस्ट्स के नामित निदेशकों के सहमति वाले वोटिंग अधिकार का मुद्दा मुख्य था। सिंघवी ने (संभावित रूप से नोएल टाटा की ओर से) शेयरधारकों के मौलिक अधिकारों को निष्क्रिय करने और कंपनियों में कारोबार संचालन के लिए इसके संभावित विनाशकारी प्रभावों पर जोर दिया।

उन्होंने टाटा ट्रस्ट् के भीतर लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया में बाधा को भी कानूनी तौर पर संदिग्ध बताया है।

कच्चे तेल में गिरावट, ब्रेंट क्रूड लगभग 102 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का वायदा लगभग 2 फीसदी गिरकर 102 डॉलर प्रति बैरल, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 2 फीसदी से अधिक फिसलकर 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद, आपूर्ति को लेकर बाजार का डर कम हुआ है, जिससे कीमतों पर दबाव बना है। इस कमी की मुख्य वजह सऊदी अरब से तेल की आपूर्ति में सुधार की उम्मीद है। हमलों से प्रभावित हुई सऊदी की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द शुरू होने की संभावना है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति की कमी का डर घटा है। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना ने अमेरिका-ईरान तनाव कम होने की उम्मीद जगाई है, जिससे पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा कम हुआ है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि गिरावट जारी रहेगी, क्योंकि सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमलों का खतरा और

होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी चिंताएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाजार सुधार की उम्मीदों और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच फंसा है। भारत के लिए यह राहत भरी खबर है, क्योंकि देश तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि यह गिरावट बनी रहती है, तो आयात बिल, रुपये और महंगाई पर दबाव कम हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेंचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल 2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक – माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन – माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2-2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया

कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट

हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुक़ाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अय्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। ' अय्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमें अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा। ' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारीं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फूट-फूटकर रोने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी?

सुचिका तारियाल की विवादित हार – सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित

किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रॉ होने के बावजूद सुचिका हार गईं.

इस नियम की वजह से हारीं सुचिका – एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रॉ रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुईं. वो मैट पर ही फूट-फूटकर रोने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएमए में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गईं.

एशियन गेम्स 2026:

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया, एजेंसी । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

आईएसएल में नई शुरुआत:

करण यादव बने नए सीईओ , क्लब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रोथ, ब्रॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे।

करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?

यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे क्रिकेटर की कौन सी स्किल अपने अंदर लेना चाहेंगे, तो उन्होंने सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने

कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।'

आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे – वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्ट्रेन के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।

पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेंगे – जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलियी की टीम से जुड़ेंगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कांगो में एबोला का कहर: प्रकोप के केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

किंशासा, एजेंसी। कांगो ने इतिहास के सबसे तेजी से फैलते एबोला प्रकोप के केंद्र बूनिया में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाना शुरू कर दिया है। यह अभियान 'इरवेबो' वैक्सीन के माध्यम से चलाया जा रहा है, ताकि जोखिम में तैनात लगभग 20,000 फ्रंटलाइन वर्कर्स की सुरक्षा की जा सके। देश में अब तक 7,541 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 3,639 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान प्रकोप 'बुंडीबुग्यो' वायरस के कारण फैल रहा है, जिसका कोई स्वीकृत इलाज नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक अध्ययन और सुरक्षा के उद्देश्य से इरवेबो वैक्सीन का उपयोग अनुकंपा आधार पर किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षा, हड़ताल और विस्थापन के कारण यह प्रकोप बेहद गंभीर और अनियंत्रित बना हुआ है।

ईरान में दिखा महिलाओं का साहस: बिना हिजाब 10 किमी दौड़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में महिलाओं के एक समूह ने देश के अनिवार्य हिजाब कानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए बिना हिजाब पहने 10 किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। यह साहसिक कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरानी अधिकारी पहले भी इसी तरह बिना हिजाब के दौड़ के आयोजन पर सख्त कार्रवाई कर चुके थे। यह प्रतियोगिता वेलायात पार्क में आयोजित की गई थी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग दौड़ की व्यवस्था थी। सोशल मीडिया पर बिना हिजाब के दौड़ती महिलाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस घटना ने ईरान के सख्त हिजाब कानून की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है।

युद्ध के बीच ईरान का शक्ति प्रदर्शन 3,13,000 लोगों ने दिखाई ताकत

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को सरकार के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान में 3.13 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया, जबकि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल हसन हसांजादेह ने दावा किया कि छह लाख से अधिक लोग सीमित सैन्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करा चुके हैं और प्रशिक्षण में 10 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान में प्रदर्शनकारियों ने ईरानी झंडे लेकर मार्च किया और देश की रक्षा के लिए हथियार उठाने की तैयारी जताई। सरकार ने इस अभियान को 'जांफदाये ईरान' यानी 'ईरान के लिए जान कुर्बान करने वाले' नाम दिया है। राज्य मीडिया कई दिनों से लोगों से इसमें शामिल होने की अपील कर रहा था।

अमेरिका में धार्मिक भेदभाव का मुकदमा, त्योहारों की अनदेखी पर मिशिगन का जवाब क्या?

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में धर्म आधारित मुकदमे का मामला सामने आया है। डियरबॉर्न शहर ने शनिवार को एक मुकदमे का जवाब दिया। मुकदमे में शहर पर मुस्लिम त्योहारों को मनाने और अन्य धर्मों के त्योहारों की अनदेखी का आरोप है। शहर ने अपने ऊपर हो रहे हमलों का कारण अपनी विविधता और 'स्वागत योग्य स्वभाव' को बताया। यह मुकदमा गुरुवार को दायर हुआ था, जिसमें शहर और मेयर पर ईसाई व यहूदी त्योहारों की अनदेखी करते हुए मुस्लिम त्योहारों पर हजारों अमेरिकी डॉलर खर्च करने का आरोप लगा। द फेडरलिस्ट की पत्रकार मार्गोट क्लीवलैंड द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया कि डियरबॉर्न ईसाइयों और यहूदियों के लिए शत्रुतापूर्ण जगह रहा है। मुकदमे के अनुसार, मेयर अब्दुल्ला हम्मुद ने पादरी टेड बारहम से कहा था कि उनका शहर में स्वागत नहीं है। शहर ने पिछले साल रमजान बैनरों पर 1,500 अमेरिकी डॉलर और पीस पार्क में चांद के प्रतीक पर 5,000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। लेकिन शहर ने ईसाई त्योहार ईस्टर और यहूदी त्योहार पासओवर को इसी तरह नहीं मनाया। शहर ने अपने बयान में कहा कि वह सभी निवासियों की निष्पक्ष और समान रूप से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर हम्मुद ने कहा कि डियरबॉर्न सभी का स्वागत करता है, चाहे उनका कोई भी धर्म हो।

ईमान मज़ारी और हादी अली की फिर गिरफ्तारी, पीओजेके ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने जताई गहरी चिंता, उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। मानव अधिकार अधिवक्ता इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी पर विवाद गहरा गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के मानवाधिकार परिषद ने इस अचानक हुई कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने और सजा निलंबित होने के तुरंत बाद इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज नए मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया। मानवाधिकार परिषद ने राज्य प्राधिकारियों से इस गिरफ्तारी का स्पष्ट कानूनी आधार और सार्वजनिक कारण बताने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट की जमानत के बाद फिर हुई गिरफ्तारी : मुजफ्फराबाद स्थित एचआरसी-पीओजेके ने शनिवार, 19 सितंबर 2026 को जारी बयान में इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। परिषद के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

हालांकि, इस न्यायिक आदेश के तुरंत बाद दोनों को इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक नए मामले में फिर से हिरासत में ले लिया गया। एचआरसी-पीओजेके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट के जरिए संबंधित अधिकारियों से पुनर्गिरफ्तारी की परिस्थितियों और कानूनी आधार की पारदर्शी जानकारी देने की मांग की। परिषद ने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत जांच और मुकदमा चलाने का अधिकार राज्य के पास है, लेकिन न्यायिक आदेश के तुरंत बाद हुई कार्रवाई के कारण इसके कानूनी आधार को स्पष्ट करना जरूरी है।

एंटी टेररिज्म कोर्ट में पेशी, 30 दिन की रिमांड खारिज : पुनर्गिरफ्तारी के बाद इमान मजारी और हादी अली चट्ठा को एंटी टेररिज्म कोर्ट यानी एटीसी के सामने पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की 30 दिनों की फिजिकल रिमांड की मांग की। हालांकि, अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया गया।

इस घटनाक्रम के बाद एचआरसी-पीओजेके ने न्यायिक आदेशों के सम्मान और निष्पक्ष अदालती प्रक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। परिषद ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।

संवैधानिक अधिकारों और निष्पक्ष सुनवाई पर जोर : मानवाधिकार परिषद ने कहा कि राज्य कानून के अनुसार किसी भी नागरिक के खिलाफ जांच और मुकदमा चला सकता है। हालांकि, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया के हर चरण में संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन जरूरी है। परिषद ने अधिकारियों से इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी की आवश्यकता और उसके कानूनी आधार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने का आग्रह किया। एचआरसी-पीओजेके ने कहा कि न्यायिक आदेशों का सम्मान, कानून का समान इस्तेमाल और निष्पक्ष सुनवाई आरोपों का सामना कर रहे व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा हैं। परिषद ने दोनों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरी कार्रवाई को पारदर्शी रखने की मांग की है।

शौकत नवाज मीर मामले का भी दिया संदर्भ : एचआरसी-पीओजेके ने अपने बयान में शौकत नवाज मीर की कस्टडी और कानूनी स्थिति से जुड़े पहले के मामले का भी उल्लेख किया। परिषद ने कहा कि उस मामले में अलग-अलग तरह के बयान सामने आने के बाद उसने तत्काल और सत्यापन योग्य स्पष्टीकरण की मांग की थी। 30 जून 2026 को शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में सामने आई थीं। समाचार रिपोर्टों में मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर के हवाले से उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई थी।

अब परिषद ने एक बार फिर राज्य संस्थाओं से नागरिकों के अधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की अपील की है। इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी के मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अदालत की कार्यवाही पर नजर बनी हुई है।

मनसुख मांडविया ने जापान में किया 'संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व, एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों को दीं शुभकामनाएं

नागोया, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने जापान के नागोया में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और टिकाऊ व सक्रिय जीवनशैली के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने एशियाई खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दीं। इस कार्यक्रम में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक भी शामिल हुईं। एशियन गेम्स 2026 के बारे में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज जापान के नागोया में एशियन गेम्स शुरू हो गए हैं। भारत से 503 युवा खिलाड़ियों का दल एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंचा है। उनका हौसला बढ़ाने और समर्थन दिखाने के लिए, नागोया में भारतीय समुदाय ने आज एक 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया। मुझे खुशी है कि हमारा दल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हमारा भारतीय समुदाय भी उनका हौसला बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि विदेशों में रहने वाले हमारे भारतीय नागरिक हमारी ताकत हैं। भारतीय लोगों को जहां भी और जिस भी तरह की मदद की जरूरत होती है, हमारे प्रवासी हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं। नागोया में, हमारे भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और उनकी सुविधा के लिए, वहां रहने वाले भारतीयों ने सभी जरूरी इंतजाम किए हैं और कई युवा वॉलंटियर के तौर पर सेवा भी दे रहे हैं।

यही भारत की असली पहचान है। साइक्लिंग इवेंट में हिस्सा लेने पर जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने कहा, 'यह बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे बहुत खुशी है कि मंत्री मांडविया ने यह शानदार पहल की है। वे जहां भी होते हैं, इसे (संडे ऑन साइकिल) करते हैं और यहां नागोया में भी उन्होंने ऐसा किया। सभी का एक साथ होना अच्छा लगा। मुझे खुशी है कि प्रवासी भारतीय इसमें शामिल हुए। ' भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने जापानी एथलीटों से मुलाकात के बाद कहा, 'मैं कुछ एथलीटों से मिली थी।

नीदरलैंड में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में प्रवासन और शरण नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों दूर-दराज दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों को दंगा पुलिस ने तितर-बितर किया। हिंसा के बाद स्थानीय अधिकारियों ने मार्च पर प्रतिबंध लगाया और पुलिस ने शनिवार को कई गिरफ्तारियां कीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे और अन्य वस्तुएं फेंकीं। न्याय मंत्री डेविड वैन वील ने एक्स पर इसे 'घृणित दृश्य' बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया मांगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने नाजी सलाम किए, यहूदी विरोधी नारे लगाए और पुलिस पर हमला कर पटाखे फेंके। हेग नगर पालिका ने मैलीवेल्ड पार्क में हिंसा के बाद मार्च पर प्रतिबंध लगाया और भीड़ को तितर-बितर होने का आदेश दिया। यह अशांति पिछले साल हुई दक्षिणपंथी प्रदर्शन के दौरान हुए दंगों के एक साल बाद हुई। पिछले साल की झड़पों में एक पुलिस कार जलाई गई थी और केंद्रवादी डी66 पार्टी के मुख्यालय पर हमला हुआ था। डी66 के नेता रॉब जेट्टन अब प्रधानमंत्री हैं।

कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना का हमला, संदिग्ध ड्रग्स बोट पर स्ट्राइक में चार की मौत : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग्स तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला करके चार लोगों को मार गिराया है। यह कार्रवाई लैटिन अमेरिका में तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान का हिस्सा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस अभियान के तहत अब तक 69 हमलों में कम से कम 231 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि नाव तस्करी के रास्ते पर थी, हालांकि ड्रग्स होने का कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के अनुसार कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास जैसे देश भी साझा सैन्य अभियानों के लिए सहमत हुए हैं, हालांकि ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है।

ईरान की शर्तों से बढ़ी हलचल: ट्रंप अचानक लौटे व्हाइट हाउस, अमेरिकी बमवर्षक पश्चिम एशिया रवाना; अब आगे क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैंप डेविड में अपना सप्ताहांत प्रवास बीच में ही खत्म कर दिया। जानकारी के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप शनिवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप ने रात कैंप डेविड में बिताने के बाद अपना कार्यक्रम बदलकर काम पर लौटने का फैसला किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात शर्तें रखी हैं और मांगें नहीं माने जाने पर 'निर्णायक युद्ध' के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा, 'हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के उद्देश्य से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। हमारी शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, हमारी जब्त की गई धनराशि को जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है। इन शर्तों को स्वीकार करना वॉशिंगटन के हित में है। ट्रंप की धमकियों से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। हम निर्णायक युद्ध के लिए तैयार हैं। '

प. एशिया में बढ़ी अमेरिकी दूतावासों की सुरक्षा, नागरिकों को चेतावनी जारी : इसके बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी राजनयिक मिशनों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अपने नागरिकों से सतर्क रहने को कहा है। अमेरिका की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ सैन्य गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इस सैन्य संघर्ष के तेजी से बढ़ने की आशंका है। क्षेत्र से आने-जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और विमान सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। चेतावनी में कहा गया कि मध्य पूर्व के बाहर भी अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान और उसके समर्थन वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिकी लोगों और संस्थानों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी कंपनियां और अन्य संस्थान भी शामिल हैं।

इस बीच रूस टुडे ने खबर दी कि ब्रिटेन के एक हवाई अड्डे से अमेरिकी बमवर्षक विमान पश्चिम एशिया की ओर रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी के अनुसार, उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसाका में खरब अल-जिर सैन्य अड्डे के पास वायु रक्षा गतिविधियां देखी गई हैं। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय और बढ़ गया जब सऊदी अरब ने कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए रियाद पर हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना ने दावा किया कि मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया।

यमन में सरकारी सेना-हूती विद्रोहियों के बीच भीषण जंग, 24 घंटे में 44 की मौत

साना , एजेंसी। यमन में सरकारी सेना और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। दक्षिण-पश्चिमी ताइज और लहज प्रांतों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई मोर्चों पर हुई भीषण लड़ाई में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई।

सैन्य सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों पर कब्जा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार तैनात कर रहे हैं। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास स्थित कहबूब और ताइज के अल-कधा-अल-वाजियाह क्षेत्र इस समय सबसे बड़े युद्धक्षेत्र बने हुए हैं, जहां लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई जारी है।

ताइज और लहज में कई मोर्चों पर जारी है भीषण लड़ाई : सरकारी सेना के एक वरिष्ठ सैन्य सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि दक्षिण-पश्चिमी यमन के ताइज और लहज प्रांतों में कई मोर्चों पर लगातार लड़ाई जारी है। दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार भेज रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, ताइज प्रांत के अल-कधा और अल-वाजियाह क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने कई बार सरकारी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन सेना ने सभी हमलों को विफल कर दिया। इन झड़पों में सरकारी सेना के छह जवान और हूती समूह के 11 लड़ाके मारे गए। हूती के कई हमले विफल करने का दावा किया सरकारी सूत्र ने दावा किया कि हूती विद्रोहियों ने बड़ी संख्या में अतिरिक्त लड़ाके भेजकर कई जगहों पर रक्षा पंक्ति तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं लहज प्रांत के कहबूब पर्वतीय क्षेत्र में भी दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। यह इलाका बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित रणनीतिक ऊंचाई वाला क्षेत्र माना जाता है। एक अन्य सरकारी सैन्य अधिकारी ने बताया कि कहबूब मोर्चे पर पिछले 24 घंटों में सरकारी सेना के 12 जवान मारे गए। दूसरी ओर, हूती समूह के एक सैन्य सूत्र ने दावा किया कि इसी अवधि में कहबूब क्षेत्र में हुई लड़ाई में 15 हूती लड़ाके, जिनमें एक कमांडर भी शामिल है, मारे गए। हालिया संघर्ष ऐसे समय में तेज हुआ है, जब इस महीने की शुरुआत में हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिण-पश्चिमी लाल सागर तट पर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। हूती समूह ने 10 सितंबर को रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा किया और इसके अगले दिन 11 सितंबर को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के बीच स्थित मय्यून (पेरिम) द्वीप पर भी नियंत्रण कर लिया।

स्पेस फोर्स के बाद अब एआई फोर्स की तैयारी, ट्रंप का बड़ा एलान, बोले- यह अगली औद्योगिक क्रांति

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 'एआई फोर्स' बनाने की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही एक 'एआई सीजर' की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को 'खत्म या नष्ट' होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूदा आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं। ' डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में तैनात ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल शत्रु की कार्रवाई का मुकाबला करने के साथ-साथ आक्रामक और रक्षात्मक दोनों अभियानों में किया जा सकता है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका, चीन और रूस के बीच अंतरिक्ष में सैन्य वर्चस्व की होड़ तेज हो रही है। ट्रंप ने एआई को अगली औद्योगिक क्रांति या इंटरनेट जैसा बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत तक योगदान दे सकती है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में एआई के 'नष्ट होने' को डेमोक्रेट्स की ओर से फैलाए जा रहे 'कई झूठे दावों' में से एक बताया।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक तापमान बढ़ने के मुद्दे को भी ऐसे ही दावों की सूची में शामिल किया और कहा कि इनसे अमेरिका को 'नुकसान' पहुंच रहा है। हालांकि, ट्रंप ने प्रस्तावित 'एआई फोर्स' की संरचना या 'एआई सीजर' की जिम्मेदारियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा:ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बी-1बी लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के ङ्कक्र फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है।

9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह : अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं : ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की : सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

ईरान की नोबेल विजेता बोलीं- जंग और दमन की कीमत लोग चुका रहे : ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने,क्क से बातचीत में कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। आर्थिक दबाव के साथ लोगों पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने अधिकारों को समझती है और विरोध करने से पीछे नहीं हट रही। नर्गिस मोहम्मदी कई सालों से मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाती रही हैं और कई बार जेल जा चुकी हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पटना में कलयुगी बेटे ने मां को जिंदा जलाया, खुद को बताया भगवान

पटना (एजेंसी)। पटना में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दीवान मोहल्ले में एक बेटे पर अपनी 60 वर्षीय माँ को जिंदा जलाकर मार डालने का आरोप है। मृतका की पहचान मंजू देवी के रूप में हुई है। आरोपी बेटा, चिंटू कुमार, जो ऑटो रिक्शा चलाता है, कथित तौर पर नशे का आदी है। आरोप है कि नशे की हालत में उसने अपनी माँ को घर के अंदर ही आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मंजू देवी की मौत हो चुकी थी। जब पुलिस आरोपी चिंटू को गिरफ्तार करने पहुंची, तब आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की, लेकिन आखिरकार आरोपी को काबू किया गया। गिरफ्तारी के बाद भी उसकी हरकतें असामान्य थीं, वह पुलिस के सामने खुद को भगवान बताकर कह रहा था कि उसने ही अपनी माँ को मारा है। पुलिस ने मंजू देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी चिंटू कुमार से गहन पूछताछ कर रही है और इस खौफनाक हत्या के पीछे की सही वजह के साथ-साथ वारदात के समय सेवन किए गए नशे के प्रकार का भी पता लगाने में जुटी है।

ओडिशा पुलिस ने किया ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश

-1 करोड़ की धोखाधड़ी और 86 सिम जब्त

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने बड़े अंतर-राज्यीय ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश कर छत्तीसगढ़ और झारखंड से इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह पर लोगों को जमा राशि पर भारी रिटर्न का झूठा लालच देकर करीब 1 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। गंजाम जिले के छत्रपुर में साइबर पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए पालुरगढ़ से संचालित इस गिरोह के सदस्यों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के रामगढ़ के शत्रुघ्न कुमार पांडे (26) और छत्तीसगढ़ के धर्मदास माणिकपुरी (30) तथा जगदीश सेठी उर्फ सूरज (30) के रूप में हुई है। छत्रपुर साइबर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज इंस्पेक्टर ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी एप चलाने और उन्हें बढ़ावा देने वाले एक गिरोह की सूचना मिलने पर एक घर पर छापा मारा गया। इस दौरान चार लोग मौजूद थे, जिनमें से दो भाग निकले और दो को मौके पर ही पकड़ा गया। शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अन्य साथियों के नाम भी बताए, जिसके बाद शत्रुघ्न को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, एक क्रोमबुक, 78 एटीएम और अन्य कार्ड, 16 बैंक पासबुक, 14 स्मार्टफोन, 86 सिम कार्ड और एक बाइक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि डिजिटल उपकरणों की जांच में कई ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप के इस्तेमाल का पता चला है, साथ ही भारी मात्रा में पैसों के लेन-देन के संकेत मिले हैं। पुलिस अब पैसों के पूरे लेन-देन, गिरोह के काम करने के तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच और फॉरेंसिक विश्लेषण कर रही है।

आवारा पशु संबंधी एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने के लिए उसे दिए गए निर्देश को चुनौती दी है। एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने एनएचएआई को आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया था, जबकि यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों और प्रशासन की है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एनएचएआई को देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है और प्राधिकरण के अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा, हमारा पक्ष यह है कि यह काम स्थानीय जिला प्रशासन को करना चाहिए। हम इसे पूरे देश के स्तर पर नहीं कर सकते। उन्होंने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की विशेष पीठ के पुनर्गठन का भी अनुरोध किया। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ से कहा, आवारा कुत्तों से जुड़ा एक मामला है।

दिल्ली की रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की रोहिणी जेल में रविवार को एक विचाराधीन कैदी की हत्या कर दी गई। मृतक कैदी की पहचान प्रमोद के तौर पर हुई है, जिसे आर्म्स एक्ट के एक मामले में जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि जेल के अंदर साथी कैदियों ने ही उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रमोद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भस्मासुर बन गई है एसआईआर प्रक्रिया, अपने ही नेताओं को ले रही चपेट में: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलकर कहा है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया एक दोषपूर्ण भस्मासुर बन गई है, जो अब अपने ही लोगों को भी चपेट में ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया भाजपा द्वारा वोट चोरी और लोकतंत्र को खत्म करने का हथियार है।
कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस जिस एसआईआर प्रक्रिया को पहले दिन से ही दोषपूर्ण बता रही थी, वह अब भस्मासुर बनकर सत्ताधारियों को अहसास करा रही है। यह प्रक्रिया बिहार से शुरू होकर अब दिल्ली तक पहुँच गई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को भी इसके तहत नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मौजूदा विदेश मंत्री एस.जयशंकर, दिल्ली के उपराज्यपाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जैसे नाम शामिल हैं। कांग्रेस नेता खरगे ने भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी इसतरह का नोटिस मिलने का जिक्र किया।
कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पश्चिम बंगाल का हवाला देकर कहा कि वहां मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के 93 प्रतिशत मामलों में लोगों ने अपनी अपील पर जीत हासिल की है, जिससे 1.13 लाख से अधिक लोगों को फिर से सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस आधार पर इन लोगों का मताधिकार छीना गया था।
कांग्रेस नेता खरगे ने निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में वीआईपी/चिह्नित मतदाताओं के उल्लेख पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने पूछा, क्या भारत के सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में वीआईपी मतदाताओं की कोई विशेष श्रेणी भी शामिल हो गई है? क्या संविधान का एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य का सिद्धांत अब बेमानी हो गया है? उन्होंने दावा किया कि एसआईआर के पहले तीन चरणों में 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13.8 करोड़ मतदाता सूची से बाहर हो गए, जो कुल मतदाताओं का करीब 14.61 प्रतिशत है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा, वीआईपी के लिए प्रेस विज्ञप्ति, करोड़ों आम मतदाताओं के लिए खामोशी।

चुनाव पैसे के दम पर लड़े जाते हैं, प्रचार करते हैं ऑडी और बीएमडब्ल्यू से

-सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने लगाए आरोप, राहुल गांधी का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि चुनाव पैसे के दम पर लड़े जाते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि प्रचार करने वाले लोग लग्ज़री कारों में आते हैं। हाल ही में सीजेपी के नेतृत्व में हुए जेन ज़ेड विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए छात्र संघ चुनावों में आरएसएस से जुड़ी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सेंट्रल पैनल के चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की। वहीं एनएसयूआई को एक भी पद नहीं मिला है। दिपके ने कहा कि चुनावों में सिर्फ़ पैसा ही काम आता है और कुछ नहीं। डीयू में प्रचार करने वाले लोग रॉल्स रॉयस गाड़ी में आते हैं, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए होती है। वे ऑडी और बीएमडब्ल्यू BMW में आते हैं। तो वहां पैसा ही काम करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्तियों और कामकाज पर विचारधारा का असर पड़ रहा है। उन्होंने इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बात का समर्थन किया। दिपके ने दावा किया कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर कुमुद शर्मा आरएसएस की विचारधारा से जुड़ी हैं और आरोप लगाया कि उनके पद संभालने के बाद से छात्रों के खिलाफ 50 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं।

दिल्ली वोटर लिस्ट में बड़ा अपडेट: आडवाणी, जयशंकर सहित दिग्गजों को मिले नोटिस

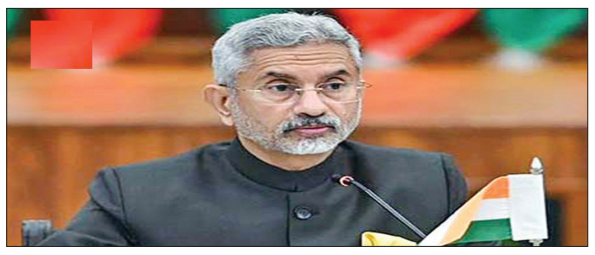

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चौंकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सत्यापन चरण के तहत चल रही है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 33.13 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके प्रगणन फॉर्म में दर्ज जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए हैं। इन गड़बड़ियों में से कई मामले हैं जहाँ वर्तमान जानकारी 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान दर्ज डेटा से मेल नहीं खाती। यह दर्शाता है कि लंबे समय से मतदाता रिकॉर्ड में अपडेट की आवश्यकता थी। पूर्व उप-प्रधानमंत्री आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को 2002 की एसआईआर सूची से नाम मेल न खाने के कारण नोटिस मिले हैं। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर को भी पिछली एसआईआर सूची से मेल न खाने की श्रेणी में नोटिस भेजा गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को उनके रिकॉर्ड में दर्ज सरकारी आवास के पते से संबंधित गड़बड़ी के लिए नोटिस दिए हैं। चुनाव आयुक्त संधू को उनके नाम में अंतर के कारण नोटिस मिला था, हालांकि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने स्पष्ट किया है कि संधू की प्रविष्टि पहले ही सत्यापित हो चुकी है और उनका नाम अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा।
इस सूची में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदीश कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद जैसे कई अन्य जाने-माने लोग भी शामिल हैं, जिन्हें मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

तीसरे मोर्चे की कवायद तेज: राष्ट्रीय स्तर पर डीएमके, यूपी में ओवैसी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गैर-बीजेपी और गैर-कांग्रेस दलों को साझा मंच पर लाने की कोशिशें अब तेज हुई हैं। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों वाला उत्तर प्रदेश भी शामिल है। राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु की डीएमके पार्टी ने क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों से संपर्क साधना शुरु किया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता कनिमोझी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले से बातचीत की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दक्षिण भारत की कई अन्य पार्टियों से भी संपर्क साधा है, जिसका मुख्य उद्देश्य गैर-बीजेपी, गैर-कांग्रेस क्षेत्रीय ताकतों को एक मजबूत साझा मंच पर एकजुट करना है।
डीएमके की पहल तमिलनाडु के बदले हुए राजनीतिक समीकरणों की पृष्ठभूमि में सामने आई है। दरअसल, राज्य विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने अभिनेता थलपति विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के साथ गठबंधन किया था। इस घटनाक्रम के बाद, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। कांग्रेस और डीएमके के बीच अलगाव के बाद से ही तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अब एक गैर-कांग्रेसी, गैर-बीजेपी गुट के गठन की तैयारी में जुट गई है, और इसी रणनीति के तहत कनिमोझी विभिन्न विपक्षी नेताओं से लगातार संवाद कर रही हैं।

वहीं, उत्तरप्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इसी तरह की एक और कवायद जोरों पर है। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य साझा राजनीतिक मंच बनाने पर गंभीर चर्चा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार 27 सितंबर को लखनऊ में एक प्रेसवार्ता के दौरान गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जा सकती है। इस संभावित गठबंधन में अपना दल (कमेरावादी) की प्रमुख पल्लवी पटेल को शामिल करने पर विचार हो रहा है।
एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने हाल ही में पुष्टि की है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने गठबंधन संबंधी फैसले की घोषणा 2 अक्टूबर तक करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है और राज्य में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम हो रहा है। ओवैसी ने सुझाव दिया कि विपक्षी दलों को मिलकर काम करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहुंचने में सफल होने वाले हैं और एआईएमआईएम एक जैसी सोच वाले राजनीतिक समूहों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

नहीं बनने देंगे भाजपा सरकार, किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार-ओवैसी

कानपुर । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के सर्वेसर्वा असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए उनकी पार्टी किसी भी दल से गठबंधन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि गैर भाजपाई पार्टियों से गठबंधन के लिए बात चल रही है। दो अक्तूबर तक गठबंधन के लिए इंतजार कर रहे हैं। जिसके साथ गठबंधन होगा, उसी के साथ प्रदेश में एआईएमआईएम चुनाव लड़ेगी। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार रात में यहां बाबूपुरवा ईदगाह मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुसलमानों का विकास नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना बाबा, भइया कहकर दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मस्जिद और यहां बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ना अराजकता है।

बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज: क्या हुआ तेरा वादा?

नई दिल्ली, एजेंसी।
खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि बेलगाम महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का जीना मुहाल किया है, लेकिन अच्छे दिन का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस गंभीर मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।
कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 1977 की मशहूर हिंदी फिल्म हम किसी से कम नहीं के एक गाने का जिक्र कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम, वो इरादा? रमेश ने दावा किया कि बीते एक माह में मसालों, दालों और खाने के तेल सहित कई जरूरी खाद्य पदार्थों के दाम में 10 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, इस मंहगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।
उन्होंने बताया कि छोटी इलायची की कीमत 4,000 से बढ़कर 4,400 रुपये प्रति किलोग्राम, जबकि जावित्री 2,500 से बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम हुई है। दालों में, अरहर दाल की कीमत 100 से बढ़कर 130 रुपये प्रति किलोग्राम और उड़द दाल 120 से बढ़कर 140 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। सरसों तेल और सफोला तेल की कीमतों में भी क्रमशः 20 और 40 रुपये प्रति लीटर का उछाल आया है।

कांग्रेस नेता रमेश ने विशेष रूप से प्याज की कीमतों का हवाला देकर कहा कि जून से सितंबर के बीच इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 29.50 से बढ़कर 53.78 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जो लगभग 82.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बढ़ती महंगाई के कारण गरीब परिवारों के लिए दाल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री खरीदना अब मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी पर महंगाई के मुद्दे पर जानबूझकर चुप रहने का आरोप लगाकर सवाल किया, देश पूछ रहा है कि अच्छे दिन कहां गए प्रधानमंत्री मोदी जी? सिर्फ प्रवचनों में बचे हैं क्या? उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी पर रोष व्यक्त कर पूछा, जनता भूखी रहे, मोदी सरकार चुप रहेज्क्या यही है नया भारत?

एसआईआर : 37 लाख अपीलों को निपटाने में लगेंगे 12 साल

कोलकाता , एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद, दोबारा नाम शामिल करने के लिए 37 लाख से अधिक अपीलें आई हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मौजूदा गति से इन अपीलों का निपटारा करने में लगभग 12 साल का समय लग जाएगा। पिछले पांच महीने में मात्र 1 लाख 26 हजार मामलों का ही निपटारा हो पाया है। आयोग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, प्रति माह औसतन लगभग 25 हजार 238 मामलों का निपटारा हो रहा है, जिसमें शनिवार और रविवार की छुट्टियों को शामिल नहीं किया गया है। 16 सितंबर तक कुल 37,05,235 मामले लंबित हैं। इस गति से, यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ट्राइब्यूनल सातों दिन बिना किसी छुट्टी के काम करता है, तो भी सभी अपीलें निपटाने में कम से कम 146 महीने, यानी लगभग 12 साल से अधिक का समय लगेगा।

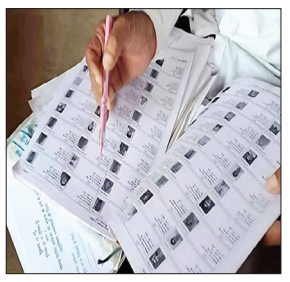

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि मौजूदा ढांचा और कर्मचारियों की संख्या इतनी बड़ी संख्या में मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। आयोग ने ट्राइब्यूनल की संख्या 24 से बढ़ाकर 42 करने का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, न्यायिक अधिकारियों को घर से काम करने की सुविधा देने से भी प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने इन अपीलों के शीघ्र निपटारे को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने ये जानकारी दी है। इस बीच, कांग्रेस ने इस अभियान की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल (शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की) प्रक्रिया और संविधान पर हमला करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि हटाए गए नामों में सबसे अधिक संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

राजनीति 'अंडा अटैक' का बढ़ा ट्रेंड: पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ सिलसिला पंजाब तक पहुंचा

नई दिल्ली,, एजेंसी।
देश की राजनीति में विरोध प्रदर्शन का एक नया और हिंसक स्वरूप तेजी से पैर पसार रहा है। पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ नेताओं पर अंडा फेंकने (अंडा अटैक) का सिलसिला अब देश के अन्य राज्यों में भी पहुंच गया है। हाल ही में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के काफ़िले पर हुए अंडा अटैक के बाद राजनीतिक हलकों में बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर गर्म हो गया है।
पश्चिम बंगाल में टीएमसी की सरकार जाने के बाद से नेताओं पर अंडे से अटैक करने का सिलसिला तेजी से शुरु हुआ था, जिस पर लगातार चर्चाएं भी हो रहीं थीं। सरकार ने इसे रोके जाने और उचित कार्रवाई करने का कोई ठोस कदम भी नहीं उठाया, जिसका अब असर अन्य राज्यों में देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि पंजाब में नशे के खिलाफ निकाली जा रही एक यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के काफ़िले पर अंडे और टमाटर फेंके गए। घटना के बाद रवनीत बिट्टू ने मीडिया के सामने अंडे और टमाटर दिखाते हुए आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने इसे पंजाब सरकार और स्थानीय पुलिस की शह पर रचा गया प्रायोजित हमला करार दिया। वहीं दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने भी पश्चिम बंगाल की सरकार की ही तरह दावा किया है कि यह जनता का स्वाभाविक गुस्सा था, जो नेताओं के प्रति भड़का। इस बीच, आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भी पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त नेताओं की गाड़ियों पर हमले हो रहे हैं, तो राज्य में आम नागरिक कितना सुरक्षित होगा?

पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ था ट्रेंड

गौरतलब है कि नेताओं पर सार्वजनिक स्थलों या गाड़ियों पर अंडे फेंकने की घटनाएं सबसे पहले पश्चिम बंगाल में चर्चा में आई थीं। वहां सरकार जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत कई नेताओं को अलग-अलग मौकों पर ऐसी घटनाओं का सामना करना पड़ा था। पश्चिम बंगाल की बैठकों, रैलियों और काफ़िलों पर अंडे फेंकने की इन घटनाओं को लेकर कई बार सुप्रीम कोर्ट तक में सवाल उठाए गए थे।

लोकतंत्र के लिए चिंताजनक ट्रेंड

विश्लेषकों का मानना है कि चाहे पश्चिम बंगाल हो या पंजाब, किसी भी राज्य में नेताओं पर इस प्रकार के हमले लोकतंत्र में स्वस्थ विरोध का प्रतीक नहीं हैं। विरोध दर्ज कराने की आड़ में इस तरह के तरीके अपनाना न केवल कानून-व्यवस्था की पोल खोलता है, बल्कि राजनीतिक माहौल को भी खराब करता है। अंडा और टमाटर फेंकने की यह राजनीति अब देश के अन्य राज्यों में भी एक खतरनाक ट्रेंड का रूप लेती दिख रही है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करने की आवश्यकता है।